

# बाजार से भाषा को खतरा नहीं, बल्कि मिलता रास्ता

जागरण संवाददाता, वाराणसी : भाषा का जीवन उसके पुनरुत्पादन से जुड़ा होता है। उसका जीवन उसकी समाहित करने की शक्ति में है। भाषा की जीवनी शक्ति स्पौदी नारायण।

सबाल्टर्न के पास होती है क्योंकि उसमें पावर आफ इमेजिनेशन की शक्ति सबसे ज्यादा होती है। बाजार से भाषा को खतरे की अवधारणा भी पूरी तरह से ठीक नहीं है क्योंकि बाजार भी भाषा के विकास के लिए एक रास्ता पैदा करता है जिससे भाषाएं आगे बढ़ती हैं। यह कहना है



- बीएचयू में 'भाषिक बहुलता, भारतीय भाषाएं और हिंदी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

हिंदी के महत्वपूर्ण कवि एवं समाज विज्ञानी प्रो. ब्रजी नारायण का।

वह शुक्रवार को बीएचयू के सामाजिक विज्ञान संकाय के संबोधि सभागार में 'भाषिक बहुलता, भारतीय भाषाएं और हिंदी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे। कहा कि भाषा के मरण के विलाप के साथ-साथ हमें यह भी देखना चाहिए कि भाषा किसी न किसी रूप में कैसे जीवित रह जाती है। हम जिन भाषाओं को मृत मान

- भाषा की जीवनी शक्ति सबाल्टर्न के पास, समाहित करने शक्ति में होती है निहित

रहे हैं हो सकता है वो किसी रूप में जीवित हों, हमारा शोध उन तक न पहुंच पा रहा हो। बीज वक्तव्य देते हुए प्रो. बसंत त्रिपाठी ने कहा कि "1975 में नागपुर में पहला सम्मेलन हुआ और ऐसे हिंदी प्रदेश में हुआ। विंगट दो शताब्दियों का समय भाषाई उपलब्धियों के साथ भाषाई विवाद भी विषय रहा है। भाषाई बहुलता इसका एक महत्वपूर्ण कारण है। अध्यक्षता कर रहीं सामाजिक विज्ञान संकाय की प्रमुख प्रो. बिंदा परांजपे

ने कहा कि "प्रेम अपनी भाषा में नहीं होता उसके लिए हिंदी एज ए ग्लोबल लैंडेज चाहिए। जब आप अपने क्षेत्र से बाहर निकलते हैं तो हिंदी हमारी बहुत सहायता करती है। बहुभाषी होने से हम बहुजनी भी होते हैं।"

प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. बलिराज पांडेय, प्रो. वशिष्ठ द्विवेदी, कृष्ण मोहन पांडेय, गोरखनाथ, प्रवेश भारद्वाज, डा. संतोष, मोतीलाल, राजेश्वर, प्रो. प्रभाकर सिंह, डा. रामाज्ञा राय, डा. मीनाक्षी झाँ, डा. सत्यप्रकाश सिंह, डा. महेंद्र प्रसाद कुशवाहा आदि थे। स्वागत प्रो. नीरज खरे ने और संचालन डा. विध्याचल यादव ने किया।

# भाषा को बाजार से कोई खतरा नहीं, कोई भाषा मृत भी नहीं

५६

बाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर बीएचयू में कवि और समाज विज्ञानी प्रो. बड़ी नारायण ने कहा कि भाषा को बाजार से खतरा है, ये अवधारणा ठीक नहीं। क्योंकि, बाजार ही भाषा के विकास के लिए भी एक गस्ता बनाता है। इसी से भाषाएं आगे बढ़ती हैं। कोई भाषा मृत नहीं होती।

शुक्रवार को बीएचयू परिसर स्थित सामाजिक विज्ञान संकाय के संबोधि सभागार में भाषिक बहुलता, भारतीय भाषाएं और हिंदी विषय पर कार्यक्रम हुआ। प्रो. बड़ी नारायण ने कहा कि हम जिन भाषाओं को मृत मान रहे हैं, हो सकता है वो किसी रूप में जीवित हो। हमारा शोध उन तक न पहुंच पा रहा हो।

हिंदी के विद्वान् प्रो. बसंत त्रिपाठी ने कहा कि 19वीं शताब्दी तक सभी भाषाएं विकसित हो चुकी थीं। सूफी साहित्य में भवना का महत्व ज्यादा है। अंग्रेजों के आने के बाद भाषाई विवाद और हिंदी-उर्दू विवाद

विदेशियों को सिखाई

जाएगी हिंदी

बाराणसी। राज्य हिंदी संस्थान इस बार हिंदी स्पोकन कोर्स तैयार कर रहा है। यह कोर्स उन विदेशी लोगों के लिए है, जो हिंदी भाषा में रुचि रखते हैं। इसका उद्देश्य हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाना है। यह कोर्स अॅनलाइन वीडियो फॉर्म में होगा। इसे कई पार्ट में पढ़ाया जाएगा। पहली बार हिंदी सिखाने के लिए स्पोकन कोर्स तैयार कराया जा रहा है। राज्य हिंदी संस्थान की निदेशक चंदना यादव ने बताया कि हिंदी स्पोकन कोर्स विदेशी लोगों को हिंदी भाषा से जोड़ने के लिए बनाया गया। महीने के आखिरी तक कोर्स लांच कर दिया जाएगा। संवाद

बढ़ा। इस कार्यक्रम में हिंदी के प्रो. वशिष्ठ द्विवेदी, प्रो. नीरज खरे और डॉ. विंध्याचल यादव समेत कई प्रोफेसर मौजूद थे। ब्यूरो

# भाषा कभी मरती नहीं: बद्री नारायण

4

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। भाषा के मरण-विलाप के साथ ही हमें यह भी देखना चाहिए कि वह कहीं न कहीं किसी रूप में जीवित हो और हमारा शोध वहां तक न पहुंच पारहा हो। भाषा मरती नहीं बल्कि नए रूप में जीवित हो जाती है। बीएचयू के सामाजिक विज्ञान संकाय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिंदी कवि और समाज विज्ञानी प्रो. बद्री नारायण ने यह बातें कहीं।

‘भाषिक बहुलता, भारतीय भाषाएं और हिन्दी’ विषयक व्याख्यान में प्रो. बद्री नारायण ने कहा कि भाषा की जीवन उसके पुनरुत्पादन से जुड़ा होता है। उसका जीवन उसकी समाहन शक्ति में है। भाषा की जीवंतता के मूल में हमें यह ध्यान देना चाहिए कि वह कौन सी बात है जो उसे जीवित रखे हुए है। बाजार से



प्रो. बद्री नारायण।

भाषा को खतरे की अवधारणा भी पूरी तरह से ठीक नहीं है क्योंकि बाजार भी भाषा के विकास के लिए एक रस्ता पैदा करता है जिससे भाषाएं आगे बढ़ती हैं। प्रो. बसंत त्रिपाठी ने कहा कि पिछले दो शताब्दियों का समय भाषाओं उपलब्धियों के साथ भाषाओं विवाद का भी विषय रहा है। भाषाओं विवाद अब तक हल नहीं हुआ है, भाषाएं बहुलता इसका एक महत्वपूर्ण कारण है। कार्यक्रम की

अध्यक्षता कर रहीं सामाजिक विज्ञान संकाय की प्रभुख प्रो. बिदा परांजपे ने कहा कि प्रेम अपनी भाषा में नहीं होता उसके लिए ‘हिंदी एज ए ग्लोबल लैंग्वेज’ चाहिए। जब आप अपने क्षेत्र से बाहर निकलते हैं तो हिन्दी हमारी बहुत सहायता करती है। बहुभाषी होने से हम बहुजनी भी होते हैं।

आयोजन का स्वागत वक्तव्य प्रो. नीरज खरे ने दिया और संचालन डॉ. विध्याचाल यादव ने किया। कार्यक्रम में प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. बलिराज पांडेय, प्रो. वशिष्ठ द्विवेदी, कृष्ण मोहन पांडेय, गोरखनाथ, प्रवेश भारद्वाज, डॉ. संतोष, मोतीलाल, राजेश्वर, प्रो. प्रभाकर सिंह, डॉ. रामाज्ञा राय, डॉ. मीनाक्षी झा, डॉ. सत्यप्रकाश सिंह, डॉ. महेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, डॉ. मीनाक्षी झा आदि रहीं।

# भाषा कभी मरती नहीं: बद्री नारायण

५

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। भाषा के मरण-विलाप के साथ ही हमें यह भी देखना चाहिए कि वह कहीं न कहीं किसी रूप में जीवित हो और हमारा शोध वहाँ तक न पहुंचा पा रहा हो। भाषा मरती नहीं अलिक नहीं रूप में जीवित हो जाती है। वीएचयू के सामाजिक विज्ञान सकारात्मक में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिंदी कवि और समाज विज्ञानी प्रो. बद्री नारायण ने यह बातें कहीं।

‘भाषिक बहुलता, भारतीय भाषाएं और हिन्दी’ विषयक व्याख्यान में प्रो. बद्री नारायण ने कहा कि भाषा का जीवन उसके पुनरुत्पादन से जुड़ा होता है। उसका जीवन उसकी समाजनशक्ति में है। भाषा की जीवंतता के मूल में हमें यह ध्यान देना चाहिए कि वह कौन सी बात है जो उसे जीवित रखे हुए है। बाजार से



प्रोफेसर बद्री नारायण।

भाषा को खतरे की अवधारणा भी पूरी तरह से ठीक नहीं है क्योंकि बाजार भी भाषा के विकास के लिए एक गस्ता पैदा करता है जिससे भाषाएं आगे बढ़ती हैं। प्रो. बसंत त्रिपाठी ने कहा कि पिछले दो शताब्दियों का समय भाषाई उपलब्धियों के साथ भाषाई विवाद का भी विषय रहा है। भाषाई विवाद अब तक हल नहीं हुआ है, भाषाई बहुलता इसका एक महत्वपूर्ण कारण है। कार्यक्रम की

अध्यक्षता कर रही सामाजिक विज्ञान संकाय की प्रमुख प्रो. बिदा परांजपे ने कहा कि प्रेम अपनी भाषा में नहीं होता उसके लिए ‘हिंदी एज ए ग्लोबल लैन्येज’ चाहिए। जब आप अपने क्षेत्र से बाहर निकलते हैं तो हिन्दी हमारी बहुत सहायता करती है। बहुभाषी होने से हम बहुजानी भी होते हैं।

आयोजन का स्वागत वक्तव्य प्रो. नीरज खरे ने दिया और संचालन डॉ. विष्णुचाल यादव ने किया। कार्यक्रम में प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. बलिराज पांडेय, प्रो. वरिष्ठ द्विवेदी, कृष्ण मोहन पांडेय, गोरखनाथ, प्रवेश भारद्वाज, डॉ. संतोष, मोतीलाल, राजेश्वर, प्रो. प्रभाकर सिंह, डॉ. रामाज्ञ राय, डॉ. मीनाक्षी झा, डॉ. सत्यप्रकाश सिंह, डॉ. महेन्द्र प्रसाद कुशवाह, डॉ. मीनाक्षी झा आदि रहीं।

‘भाषिक बहुलता, भारतीय भाषाएं और हिन्दी’ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

# भाषा की जीवन शक्ति सबाल्टर्न के पास होती है : बद्री नारायण

**वाराणसी (एसएनबी)**। हिन्दी के महत्वपूर्ण कवि एवं समाज विज्ञानी प्रो. बद्री नारायण ने कहा कि, “भाषा का जीवन उसके पुनरुत्थान से जुड़ा होता है। उसका जीवन उसकी समाहन शक्ति में है। भाषा की जीवन शक्ति सबाल्टर्न के पास होती है क्योंकि उसमें पॉवर ऑफ इमेजिनेशन की शक्ति सबसे ज्यादा होती है। भाषा के मरण के विलाप के साथ साथ हमें यह भी देखना चाहिए कि भाषा किसी न किसी रूप में कैसे जीवित रह जाती है। हम जिन भाषाओं को गृह मान रहे हैं ही सकता है वो किसी रूप में जीवित हों, हमारा सोध उन तक न पहुँच पारहा हो। भाषा की जीवतता के मूल में हमें यह ध्यान देना चाहिए कि वह कौनसी चीज़ है जो उसे जीवित रखे द्ये है। बाजार से भाषा को खोरे की अवधारणा भी पूरी तरह से ठीक नहीं है क्योंकि बाजार भी भाषा के विकास के लिए एक रास्ता पैदा करता है जिससे भाषाएं आगे बढ़ती हैं।” यह बातें उन्होंने शुक्रवार को बीएन्यू परिसर स्थित समाजिक विज्ञान संकाय के संबोधि सभागार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के तहत ‘भाषिक बहुलता, भारतीय भाषाएं और हिन्दी’ विषयक व्याख्यान देते हुए कहीं।

विषय पर बीज वक्तव्य देते हुए प्रो. बसंत

त्रिपाठी ने कहा कि “1975 में नागपुर में पहला सम्मेलन हआ और ऐर हिन्दी प्रदेश में हआ। विगत दो शताब्दियों का समय भाषाई उपलब्धियों के साथ भाषाई विवाद को भी विषय रहा है। 19 वीं शताब्दी के पहले भाषा और राज्य का वैसा अन्तर्संबन्ध नहीं था। भाषाई विवाद अब तक हल नहीं हुआ है, भाषाई बहुलता इसका एक महत्वपूर्ण कारण है। भाषा का प्रश्न भावात्मक और तकनीकी एक साथ होता है। नेहरू की मानिसकता थी कि भाषाई विविधा का मुख्य कारण अशिक्षा है वही स्टूलिन का मानना था कि वर्ग भाषा जैसी कोई चीज़ नहीं होती। 19 वीं शताब्दी तक सभी भाषाएं विकसित हो चुकी थीं। सूफी साहिय में इमोशंस का महत्व ज्यादा है। बदा नवाज हिन्दी को ज्यादा मुकाद मानते थे, वही भारतेन्दु, प्रताप नारायण मिश्र को खड़ी बोली शुष्क मालूम पड़ रही थीं। संत ज्ञानेश्वर का कहना था कि वे जिस इलाके में जाएंगे, उस इलाके की भाषा में रचना करेंगे। 19 वीं शताब्दी में ब्रिटेन के आने के बाद भाषाई विवाद, हिन्दी उर्दू विवाद प्रसिद्ध हुआ। केलाग ने अपने व्याकरण में हिन्दी को सरीय हिन्दी कहा है। हिन्दी-उर्दू में लहजे का अंतर है। केलाग वाक्य

संरचना और भाषा व्यवहार के लहजे से हिन्दी और उर्दू में अंतर साबित करते हैं। धर्म, भाषा और लिपि में अनिवार्यसंबंध होता है। हिन्दी को राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा बनाने की शुरुआत हिन्दीतर भाषा से जुड़े हुए लोगों ने की। स्वस्थ भाषाई टकराहट इसी तरह से होती रहनी चाहिए।”

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही सामाजिक विज्ञान संकाय की प्रमुख प्रो. बिंदा परांजपे ने कहा कि “पैम अपनी भाषा में नहीं होता उसके लिए हिन्दी एज ए ग्लोबल लैग्वेज चाहिए। जब आप अपने क्षेत्र से बाहर निकलते हैं तो हिन्दी हमारी बहुत सहायता करती है। बहुभाषी होने से हम बहुजनी भी होते हैं।” इस आयोजन का स्वागत वक्तव्य प्रो. नीरज खरे ने दिया और संचालन डॉ. विन्याचल यादव ने किया। इस कार्यक्रम में प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. बलिराज पाडेय, प्रो. विशिष्ट द्विवेदी, कृष्ण मोहन पांडेय, गोरखनाथ, प्रवेश भारद्वाज, डॉ. सतोष मोतीलाल, राजेश्वर जी, प्रो. प्रभाकर सिंह, डॉ. गमाज्जा राय, डॉ. मीनाक्षी झा, डॉ. सत्यप्रकाश सिंह, डॉ. महेन्द्र प्रसाद कुशवाहा, डॉ. मीनाक्षी झा, डॉ. प्रभात मिश्र, डॉ. रवि शंकर सोनकर के साथ ही काफी संख्या में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

पढ़ाई के लिए दुनिया में पसंदीदा संस्थान बना बीएचयू, बढ़ रही फैसिलिटी ।

# भरोसेमंद बीएचयू: हर साल बढ़ रहे इंटरनेशनल स्टूडेंट

## i UPDATE

चार वर्ष पहले सिर्फ 162 इंटरनेशनल छात्र पढ़ते थे, अब संख्या में ढाई गुना इगाफा

[varanasi@inext.co.in](mailto:varanasi@inext.co.in)

**VARANASI (10 Jan):** सिर्फ ईंडिया ही नहीं, बल्कि फैरैन कंट्री में भी बीएचयू का ढंका बज रहा है, तभी तो 48 देशों के स्टूडेंट की पहली परसंद बीएचयू है. हर कोई यहां से अपनी पढ़ाई पूरी करने का सपना देखता है, लेकिन बहुत कम लोगों को ही, यहां पढ़ने का मौका मिल पाता है. 48 देशों के स्टूडेंट के लिए काशी हिंदू विश्वविद्यालय शोध व अध्ययन का बेहतर मंच बन रहा है, विज्ञान, कला, कार्मस और सामाजिक विज्ञान डिपार्टमेंट में इस बार सबसे ज्यादा इंटरनेशनल स्टूडेंट्स ने एडमिशन लिया है, जबकि चार वर्ष पहले सिर्फ 162 छात्र ही कैंपस में पढ़ते थे, अब संख्या में ढाई गुना तक बढ़ गई है.

### बीएचयू ने ऐसे बढ़े स्टूडेंट

बीएचयू में हर साल स्टूडेंट के लिए सुविधाएं बढ़ने के साथ-साथ, स्टूडेंट की संख्या भी बढ़ती गई है. न्यू सेंचन 2024-25 में 382 नए स्टूडेंट ने एडमिशन लिया है. पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं भी हो चुकी हैं, दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं महीने के दूसरे सप्ताह में शुरू हो जाएंगी. अब देश भर में बीएचयू ही एकमात्र संस्थान बन गया है जहां पर इतनी संख्या में इंटरनेशनल छात्र शोध-अध्ययन कार्य कर रहे हैं. इसके लिए विविध प्रशासन की ओर से कई कार्य हुए.

इन देशों के पढ़ते हैं स्टूडेंट

आस्ट्रेलिया

आस्ट्रिया

बेलारूस

बोनिन

भूटान

कंबोडिया

केप वर्डीन

फ्रांस

जर्मनी

इंडोनेशिया

ईरान

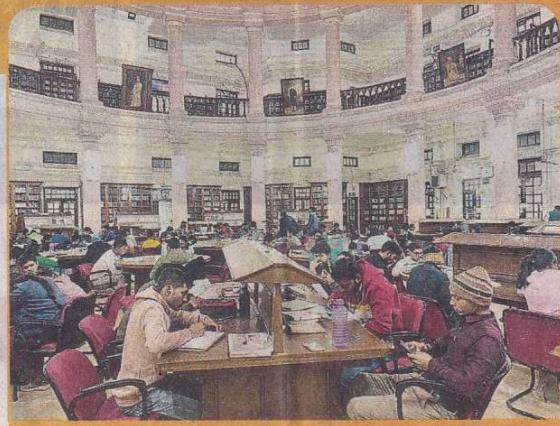
ईराक

इंजिनिअरिंग

इटली

जापान

केन्या



सेप्टेम्बर 2024-25 में एडमिशन लेने वाले टॉप-5 देशों के स्टूडेंट

देश	यूजी	पीजी	पीएचडी	डिलोमा	कुल
बांग्लादेश	241	25	20	01	287
इराक	--	11	05	--	16
म्यामार	02	20	16	--	38
नेपाल	240	116	21	--	377
श्रीलंका	09	20	07	--	36
तिब्बत	10	10	06	--	26

### ये भी फैसिलिटी

- स्पोर्ट्स इनफ्रास्ट्रक्चर क्रिकेट ग्राउंड्स
- बास्केटबॉल कोर्ट
- फुटबॉल ग्राउंड
- बिलियर्ड्स टेबल
- रिमिंग पूल
- लॉन टेनिस कोर्ट
- बैडमिंटन कोर्ट
- स्कॉर्च सुविधाएं
- जिमनेजियम, इंदौर स्टेडियम)
- एम्पीथेटर
- प्लाइंग वल्ब
- पर्वतरोहण वल्ब
- हॉकी सेटर
- कई सभागार

### ये मिल रही फैसिलिटी

दो वर्ष पहले इंस्टीट्यूट आफ एमिनेंस योजना से सभी विद्यार्थियों को फैलोशिप देने की योजना शुरू की गई थी. योजना में उन छात्रों को जोड़ा गया, जिन्हें फैलोशिप नहीं मिल पाती थी. ऐसे विद्यार्थियों को छह हजार रुपये जबकि रिसर्च स्कालर को आठ हजार रुपये की स्कालरशिप दी जाने लागी. दो नए हॉस्टल भी बनाए गए, यहां पर 600 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है. इंटरनेशनल विद्यार्थियों के लिए आवेदन के समय ही उनकी सीटें सुरक्षित कर

दी जा रही है. इससे विद्यार्थी प्रवेश को लेकर आश्वस्त हो रहे हैं.

### सबसे बड़ी लाइब्रेरी

विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय में 1.5 मिलियन पुस्तकें और विभिन्न भाषाओं में पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, किले, सासाहिक, समाचार पत्र हैं. छात्रों के लिए अलग हैल्य के बाहर कॉम्प्लेक्स, स्टाफ सदस्यों और परिवारों के लिए दो स्वास्थ्य केंद्र हैं. साथ ही दो फैकल्टी एक्सर्चेज बिलिंग, इंटरनेशनल हॉस्टल, वर्किंग बुमेन्स हॉस्टल भी हैं.

“



बीएचयू में फैसिलिटी बढ़ने के कारण इंटरनेशनल स्टूडेंट की संख्या बढ़ रही है. आने वाले समय में ये संख्या और बढ़ती दिखेगी.

माया शंकर पांडे, प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ आर्ट्स

# बीएचयू की शोध गुणवत्ता 166% बढ़ी आईआईएससी बंगलूरु से भी बेहतर<sup>52</sup>

250 से ज्यादा छात्र और छात्राओं ने विदेशी संस्थानों में प्रस्तुत किए रिसर्च पेपर

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू ने रिसर्च गुणवत्ता के मामले में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), बंगलूरु को भी पछे छोड़ दिया है।

छह साल में बीएचयू की शोध गुणवत्ता 166 फीसदी बढ़ी है, जबकि आईआईएससी बंगलूरु में 20 फीसदी की बढ़ोतारी दर्ज की गई है। टाइम्स हायर एजुकेशन के डेटा के अनुसार, साल 2025 में रिसर्च गुणवत्ता के मामले में बीएचयू का स्कोर 65.9 है, जबकि बंगलूरु को 51.5 अंक ही मिले हैं। ये डेटा टाइम्स हायर एजुकेशन के हैं। दोनों संस्थानों में भारत सरकार की ओर से एक साथ इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईआईई) स्कीम चलाइ गई थी।

छात्रों और प्रोफेसरों को विदेश में जाकर रिसर्च करने और पेपर प्रस्तुत करने का मौका देना काफी फायदेमंद साबित हो रहा है। 78 दिनों में 1000 करोड़ की आईआईई स्कीम समाप्त हो रही है। बीएचयू में अब तक 250 से ज्यादा छात्र और छात्राओं ने



बीएचयू के जंतु विज्ञान विभाग की लैब में रिसर्च करते छात्र और छात्राएं। जोत: बीएचयू

## जेएनयू का 47.1, डीयू का 43.1 फीसदी स्कोर

टाइम्स हायर एजुकेशन के अनुसार, जेएनयू का 47.1 अंक और दिल्ली यूनिवर्सिटी का 43.1 अंक स्कोर रहा। 2018 के मुकाबले 2025 में बीएचयू की शोध गुणवत्ता में 166 फीसदी की बढ़ोतारी हुई। बंगलूरु में 20 फीसदी, जेएनयू में 77 फीसदी, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 35 फीसदी का बढ़ोतारी देखी जा रही है। बीएचयू का स्कोर देश के इन

सभी विश्वविद्यालयों और संस्थानों से बेहतर है।

विदेशी संस्थानों में जाकर रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया है। उन्हें 50-50 हजार रुपये में छह महीने रिसर्च का मौका दिया गया। साथ ही आने-जाने का खर्च भी इन्हें हर महीने डेढ़ लाख रुपये मिले। इसके अलावा 762 रिसर्चरों को दूसरे विभागों में अलग से दिया गया है। करीब 100 से लैब की वस्तुएं इस्तेमाल करने पर 40 से 50 हजार रुपये का क्रेडिट दिया गया।

762

रिसर्चरों को दूसरे लैब की वस्तुएं इस्तेमाल करने पर 40-50 हजार का क्रेडिट

## इनसे बढ़ी गुणवत्ता

■ इंटरनेशनल ट्रैवल : बीएचयू से अब तक 250 से ज्यादा छात्र और छात्राओं को विदेशी संस्थान में रिसर्च प्रजेक्टेशन देने के लिए 50 हजार और प्रोफेसरों को एक लाख रुपये का भुगतान किया जा रहा है। साथ ही आने-जाने का खर्च भी अलग से दिया गया है।

■ टॉप-500 संस्थान में रिसर्च : जिन छात्रों का 8.5 सीजीपीए स्कोर रहा और क्यू-1 और क्यू-2 टाइप जर्नल में एक रिसर्च पेपर छापा है तो उन्हें दुनिया की टॉप-500 यूनिवर्सिटी में जाकर छह महीने रिसर्च पूरा करने पर लाभ दिया गया। उन्हें हर महीने 1800 डॉलर यानी डेढ़ लाख की फेलोशिप मिली। साथ में ट्रैवल कॉस्ट भी दिया गया। बहीं, प्रोफेसरों के लिए एलोबल एक्सिलेंस प्रोग्राम के तहत अध्यापकों को हर महीने 3000 डॉलर दिये गए।

# बीएचयू में आनुवंशिक बीमारियों की फ्री जांच, हो रही नए वैरिएंट की खोज

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में आनुवंशिक बीमारियों से जूझ रहे 1493 रोगियों की निशुल्क जेनेटिक टेस्टिंग और काउंसिलिंग की जा रही है। बीएचयू के सेंटर फॉर जेनेटिक डिसऑर्डर में इम्यूनोफिशिएसी डिसऑर्डर, लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर, म्यूकोपॉलीसेक्रेटराइडोस, पोर्फीरिज, फैब्री रोग और न्यूरो डेवलपमेंटल डिसऑर्डर जैसी धातक बीमारियों से ग्रसित लोग पहुंच रहे हैं।

प्रोफेसर परिमल दास ने बताया कि एक शोध के तहत प्री जांच और काउंसिलिंग की जा रही है। केवल मरीज ही नहीं बल्कि उसके पूरे परिवार की स्क्रीनिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस शोध के तहत जेनेटिक बीमारियों के नए वैरिएंट्स की



54

बीएचयू में शोध करती डॉक्टर। ग्रात-स्वयं

तलाश की जा रही है। ताकि भविष्य में इलाज को लेकर तैयारियां की जा सकें।

प्रो. दास ने कहा कि देश भर में जो भी जांच कराना चाहते हैं, वे सेंटर में आकर प्रो. परिमल दास से मिल सकते हैं। इस मिशन प्रोग्राम में नामांकन कर उनकी जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

## आनुवंशिक विकारों की होगी मुफ्त जांच 4

वाराणसी। बीएचयू के सेंटर फॉर जेनेटिक डिसऑर्डर में दुर्लभ आनुवंशिक विकारों की निःशुल्क जांच होगी। केंद्र समन्वयक प्रो. परिमल दास ने बताया कि केंद्र में इसपर शोध किया जा रहा है। आईएमएस के प्रो. अशोक कुमार एवं शहर के अन्य डॉक्टरों के सहयोग से अनुसंधान टीम उन्नत जेनेटिक टेस्टिंग की तैयारी कर रही है।

## स्वयम् : लेक्चर रिकॉर्डिंग के लिए बनेगा स्टूडियो, 20 से कक्षाएं, 25 अप्रैल को परीक्षा

**फरवरी में होगी नए कोर्स की घोषणा, सीडीसी बिल्डिंग में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस स्टूडियो**

माइंसिटी स्पेशलिट

मशीन लर्निंग पर 12 सप्ताह तक चलेगी कलास मरीन लर्निंग समेत 10 कोर्स ऐसे हैं, जिनकी कक्षाएं 12 सप्ताह तक चलेगी। छह कोर्स की कलास आठ सप्ताह तक चलेगी। बाकी छह की कक्षाएं चार सप्ताह तक चलेगी। 22 कोर्स में फाइनेंशियल मार्केटिंग, लाइफ स्ट्रिक्टल, इनकम टैक्स, प्राचीन भारतीय वास्तुकला, तजला बदन, वायु प्रदूषण जैसे विषय शामिल हैं।

माइंसिटी स्पेशलिटी कोर्स अपले 30 वर्ष में तेजस्वी और अधिक विद्यार्थी आवेदन दिया जा सकता है। 27 जनवरी अंतिम तिथि विण्ठय में बर्तमान में स्वयम के 22 कोर्स में प्रवेश हो जाएगा। 27 जनवरी कोर्स अवेदन दिया जा सकता है। इन सभी 22 कोर्स की अवधि चार से 12 सप्ताह के बीच होगी। स्वयम आईएमआई पोर्टल पर विलक्ष कर्म भर सकते हैं।

किए जाएं। इसी वीडियो के आधार पर

असाइंसेट वर्क और परीक्षाएं होंगी। वीकली असाइंसेट तैयार कर सबमिट प्रौद्योगिक मोहन ने बताया कि कक्षाएं ऑनलाइन करारेंगी। इसके लिए बोर्ड बनाया गया कर्मसूली असाइंसेट वर्क और परीक्षाएं होंगी। इन सभी 22 कोर्स की तर्ज पर नहीं होगी। ऑनलाइन करारेंगी। इसमें छात्र साथाल पहुँचे और कोर्स छात्र और छात्रा अपने सवित्रण के अनुसार, कोर्स डेवलपर व शिक्षक अपने जवाब को पोस्ट करते हैं। तेलेक्षर्स के अनुसार, ब्लॉग्स में पढ़ाई करते हैं तेलेक्षर्स के वीडियो छात्र या छात्रा किसी भी वक्त देखते हैं। अंत में पूरी प्रक्रिया के बाद कर सकते हैं। अंतिम परीक्षा एनटीए करतएगा।

किए जाएं। इसके बाद छात्र हर विषय का

नए कोर्स शुरू किए जाएं। पर्याप्त स्टडी पटरियल मिले इसके लिए विण्ठय के सीडीसी बिल्डिंग में स्वयम का अपना एक स्टूडियो बनाया जाएगा। कोर्स डेवलपर विज्ञान और मैट्रिकल स्टैट द्वारा एक स्टूडियो भी होगा।

कला, विज्ञान और मैट्रिकल स्टैट हर विषय के कोर्स होंगे। जुलाई 2025 सत्र के लिए विण्ठय स्वयम के कोआइनिटर गो. आशुतोष मोहन ने कहा कि कोर्स का योग्य विभाग और फैकल्टी से जबर्दस्ती और जानकारिया मार्ग देंगे। हर छह महीने नए-

कोर्स लाने वाला है। इसमें सभी कोर्सों में लेक्चर रिकॉर्डिंग के लिए विण्ठय के सेटल विस्कवरी, सेटर (सॉलीरी) बिल्डिंग में अलाइफिंक सुविधाओं से लैस की बुलाई से सब शुरू हो जाएगा। इसमें वीडियो छात्र या छात्रा किसी भी वक्त देख सकेंगे। इसके बाद छात्र हर विषय का

बैण्ठक्य में बर्तमान में स्वयम के 22 कोर्स में प्रवेश हो जाएगा। 27 जनवरी अंतिम तिथि विण्ठय में बर्तमान में स्वयम के 22 कोर्स में प्रवेश हो जाएगा। इन सभी 22 कोर्स की अवधि चार से 12 सप्ताह के बीच होगी। स्वयम से 12 सप्ताह के बीच होगी। आईएमआई पोर्टल पर विलक्ष कर्म आईएमआई पोर्टल पर विलक्ष कर्म भर सकते हैं।

# बिना नेट जेआरएफ के<sup>4</sup> भी कर सकेंगे पीएचडी

जनसंदेश न्यूज

होगी सुविधा

वाराणसी। बीएचयू में दो दिन में 2000 अभ्यर्थी ने पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन कर दिया है। रिसर्च एंडेंस टेस्ट (आरईटी) और आरईटी एंजिनियरिंग दोनों कैटेगरी में पंजीकरण हुए हैं।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में इस बार करीब 8-10 हजार पीएचडी आवेदन हो सकते हैं। खास बात ये है कि बिना नेट-जेआरएफ के भी पीएचडी के लिए भी अभ्यर्थी को सीधे प्रवेश मिल सकता है। आरईटी एंजिनियरिंग कैटेगरी के तहत विकल्प दिया गया है। बीएचयू के कॉलेजों के शिक्षक, व्यावसायी, नौकरीपेशा, प्रोजेक्ट रिसर्चर हों या कर्मचारी हर कोई पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है। आरईटी एंजिनियरिंग कैटेगरी में कुल ७० में प्रवेश लिया जाएगा। यूजीसी-जेआरएफ, स्टी आई एस आर - जे आर एफ, आईसीएमएआर जेआरएफ, डीबीटी-

बीएचयू में नौकरी-पेशा वाले भी प्रवेश के लिए कर सकते हैं आवेदन



जेआरएफ, आईसीएआर एसआरएफ और डायरेक्ट एडमिशन शामिल है। नौकरी कैटेगरी के लोग पीएचडी में सीधे प्रवेश पा सकते हैं। बीएचयू और संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक, नॉन टीचिंग स्टाफ, एक्सटर्नल पार्ट टाइम, बीएचयू में प्रोजेक्ट रिसर्चर, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पीएचडी स्कॉलरशिप, बवालिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम में चयनित अभ्यर्थी, एमडी/ एमएस-एमफिल और विदेशी छात्र फेलोशिप के तहत पीएचडी कर सकते हैं।

## बीएचयू सौ विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराएगा<sup>1</sup>

जागरण संवाददाता, वाराणसी: बीएचयू का डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र अनुसूचित और पिछड़ा वर्ग के सौ स्नातक विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा की निशुल्क तैयारी कराएगा। पिछले दिनों देश भर से आवेदन मांगे गए थे, लगभग 17 सौ अध्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा। 30 प्रतिशत महिला अध्यर्थियों के लिए सीटें सुरक्षित रहेंगी। इस बार प्रवेशित छात्रों को चार हजार रुपये छात्रवृत्ति दी जाएगी। 15 अस्थायी शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है। एक साल तक प्रतिदिन साढ़े चार घंटे तक कक्षाएं संचालित की जाएंगी। हर दिन तीन कक्षाएं चलाने का रोस्टर तय हुआ है। छात्रों को लाइब्रेरी की भी सुविधा मिलेगी, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी हुई पांच सौ से अधिक किताबें उपलब्ध हैं। दो केंद्र पर 19 जनवरी को प्रवेश परीक्षा होगी। परिणाम घोषित होने के बाद प्रति सीट पांच विद्यार्थियों को

शिक्षकों के द्वारा लिए जाने वाले साक्षात्कार 31 जनवरी को डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक प्रो. आरएन खरवार ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की तरफ से दो वर्ष से आयोजन हो रहा है। शिक्षकों के द्वारा लिए साक्षात्कार 31 जनवरी को सुबह 11 बजे शुरू होगा। सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न विषयों के अस्थायी शिक्षकों का द्वारा 2000 रुपये प्रति कक्षा के हिसाब से किया जाएगा।

साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा, इसके 50 अंक दिए जाएंगे। इटरव्यू कमेटी का गठन हो चुका है, जो मेरिट के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करेगी। शिक्षकों को इतिहास : विश्व इतिहास में विषय, भूगोल : भौतिक भूगोल की मूल बातें, भौतिक पर्यावरण, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान व भारतीय संस्कृति समेत कई विषय पढ़ाना होगा।

## सिविल सेवा 4 एग्जाम की तैयारी कराएगा बीएचयू

VARANASI (10 Jan): बीएचयू का डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र अनुसूचित और पिछड़ा वर्ग के सौ स्नातक विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा की निशुल्ल तैयारी कराएगा। पिछले दिनों देश भर से आवेदन मांगे गए थे, लगभग 17 सौ अध्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा। 30 प्रतिशत महिला अध्यर्थियों के लिए सीटें सुरक्षित रहेंगी। इस बार प्रवेशित छात्रों को चार हजार रुपये छात्रवृत्ति दी जाएगी। 15 अस्थायी शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है। एक साल तक प्रतिदिन साढ़े चार घंटे तक कक्षाएं संचालित की जाएंगी। हर दिन तीन कक्षाएं चलाने का रोस्टर तय हुआ है। छात्रों को लाइब्रेरी की भी सुविधा मिलेगी, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी हुई पांच सौ से अधिक किताबें उपलब्ध हैं। दो केंद्र पर 19 जनवरी को प्रवेश परीक्षा होगी। परिणाम घोषित होने के बाद प्रति सीट पांच विद्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

## उत्कृष्टता केंद्र में वॉक- इन इंटरव्यू 31 को ३

बीएचयू के डॉ. अंबेडकर  
उत्कृष्टता केंद्र में गेस्ट शिक्षकों  
की नियुक्ति के लिए 31 जनवरी  
को वॉक-इन इंटरव्यू होगा।  
2015 के बाद सिविल सर्विसेज  
की प्री और मेन्स परीक्षा पास  
करने वाले ही आवेदन कर  
सकते हैं। साथ ही परास्नातक  
होना भी जरूरी है।

सिविल सेवा एक्सपर्ट को हर क्लास के 2000 मिलेंगे  
वाराणसी। बीएचयू में सिविल सेवा परीक्षा के लिए एक एक्सपर्ट को हर क्लास के दो  
हजार रुपये मिलेंगे। कैंपस के अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र में 31 जनवरी को सुबह 11  
बजे से इंटरव्यू होगा। योग्यता में 60 फीसदी अंक के साथ एमए और एमएससी होना  
चाहिए। दो साल तक किसी प्रतिष्ठित संस्थान में पढ़ाने का अनुभव हो। साथ ही ३२  
ऐच्छिक योग्यता में पढ़ाने वाला शिक्षक 2015 के बाद सिविल सेवा का प्री और मेन  
एग्जाम पास हो। इन्हें केंद्र में आरक्षित वर्ग के छात्र-छात्राओं की कक्षा लेनी होगी। व्यूरो

# एम.वीएससी कोर्स में 45 सीटों पर होंगे दाखिले

संगम सिंह ● जागरण

**वाराणसी :** बीएचयू के दक्षिणी परिसर बरकछा मीरजपुर स्थित पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय में अभी तक स्नातक पाठ्यक्रम ही संचालित किए जाते हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के नहीं होने से विद्यार्थियों को बेहद परेशानी होती है, लेकिन अब संकाय को स्नातकोत्तर डिग्री की भी मान्यता मिल गई है। ऐसे में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से मास्टर आफ वेटरनरी साइंस (एम.वीएससी) पाठ्यक्रम शुरू करने की सहमति बनी है। इसके लिए पाठ्यक्रम का स्वरूप, सीटों की संख्या, वार्षिक शुल्क, बुनियादी ढांचे और स्थान भी तय कर लिया गया है।

इस स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए करीब 45 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा, इसमें 30 नियमित और 15 सशुल्क सीटें होंगी। हालांकि सशुल्क सीटों पर दाखिला लेने वाले छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय की छात्रावास सुविधाओं का लाभ नहीं दिया जाएगा।

माइकोलाजी एवं प्लाट पैथोलॉजी विभाग के प्रो. ब्रिंची कुमार शर्मा और आषीआर एवं टीटी सेल के समन्वयक ने बौद्धिक संपदा अधिकार एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नीति को निर्यात करने वाले संशोधित अध्यादेशों को अनुमोदित करने का निर्णय लिया गया है।

- बरकछा में पशुपालन एवं पशु चिकित्सा संकाय को मिली स्नातकोत्तर डिग्री की भी मान्यता
- परिसर में अभी तक सिर्फ स्नातक के ही पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं



बीएचयू का राजीव गांधी साउथ कॉम्प्यूस

## एमवीएससी पाठ्यक्रम की सेमेस्टरवार शुल्क संरचना

शुल्क घटक	नियमित सीट शुल्क	सशुल्क सीट शुल्क
शैक्षणिक शुल्क	12,500 रुपये	12,500 रुपये
विकास शुल्क	12,500 रुपये	12,500 रुपये
सशुल्क सीट शुल्क	00	50,000 रुपये
कुल योग	25,000 रुपये	75,000 रुपये

## स्कूलों के समन्वयक भी

### अकादमिक परिषद के सदस्य

केंद्रों और स्कूलों आदि के समन्वयकों को अकादमिक परिषद के सदस्य सूची में शामिल करने पर सहमति बीती है। अब यहां पर विभागाध्यक्ष के लिए रोटेशन के सिद्धांत पर समन्वयक की नियुक्ति की जाएगी। जैव प्रौद्योगिकी की स्कूल के समन्वयक को अकादमिक परिषद में सदस्य के रूप में आमंत्रित किया जा सकेगा।

## संकाय के

लिए बेहद खुशी की बात है कि अब यहां पर स्नातकोत्तर की डिग्री भी मिलेगी। बाहरी छात्रों को इससे अधिक फायदा मिलेगा। पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी हो चुकी है। - प्रो. विनोद कुमार मिश्रा, आचार्य प्रभारी, दक्षिणी परिसर बीएचयू



# छात्रों को वित्तीय साक्षरता से कराया गया परिवित १८



वाराणसी। राजीव गांधी दक्षिण परिसर बरकड़ा में छात्र नेटुल एवं जीवन कौशल समिति द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (निस्म) के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय 'युवा नागरिकों के लिए वित्तीय शिक्षा' विषय पर दो दिवसीय प्रमाणपत्र कार्यशाला का समापन शुक्रवार को हुआ। इस कार्यशाला में 150 प्रतिभागियों को वित्तीय योजना, बजटिंग, निवेश, क्रेडит प्रबंधन, बीमा, कर योजना, सावधि जमा, शेयर बाजार आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। यह कार्यशाला युवाओं को वित्तीय साक्षरता

से परिचित कराने एवं उन्हें अपने वित्तीय भविष्य की योजना बनाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए पंजीकरण निःशुल्क था तथा समस्त प्रतिभागियों को कार्यशाला के समापन के उपरांत निस्म एवं सेबी से प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

कार्यशाला में पहले दिन मौद्रिक साक्षरता के बारे में विस्तृत तरीके से चर्चा की गई और भविष्य में इसकी उपयोगिता के बारे में बताया गया। दूसरे दिन कुनिम बुद्धिमत्ता के युग में किस जानकारी के आधार पर हम अपने

आप को और अपनी आय को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं, इसके बारे में बताया गया। कार्यक्रम के समापन पर कृषि प्रबंधन प्रथम वर्ष के छात्र कुलंदीप शर्मा ने सभी प्रतिभागी व विषय विशेषज्ञों का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया गया। कार्यशाला का संचालन दीपक कुमार, अनिल नारायण दुबे व मोनी साहू द्वारा किया गया। कार्यशाला का संयोजन प्रो. अशोध सिंह, दीपिका कौर, त्रिभुवन नाथ, राजीव कुमार, डा. अभिनव सिंह, डा. प्रमोद प्रजापति, डा. महिपाल चौबे, डा. अर्चना, डा. उत्कर्ष द्वारा किया गया।

## कार्यशाला में युवा को दी गयी वित्तीय शिक्षा

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के राजीव गांधी दक्षिण परिसर बरकछा में भाव्र नेतृत्व एवं जीवन कौशल समिति की ओर से राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान के सहयोग से नौ एवं 10 जनवरी को युवा नागरिकों हेतु वित्तीय शिक्षा, विषयक दो दिवसीय प्रमाणपत्र कार्यशाला में प्रतिभागियों को वित्तीय योजना, बजटिंग, निवेश, ऋण प्रबंधन, बीमा, कर योजना, सावधि जमा, शेखर बाजार आदि विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। यह कार्यशाला युवाओं को वित्तीय साक्षरता से परिचित कराने एवं उन्हें अपने वित्तीय भविष्य की योजना बनाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। कार्यशाला में मौद्रिक साक्षरता और भविष्य में इसकी उपरोक्तता के बारे में बताया गया। साथ ही बताया कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में इन जानकारी के आधार पर हम अपने आप को और अपने आय को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं। कार्यक्रम में दीपक कुमार एंड अनिल नारायण दुबे ए सुश्री भोनी साहू ए आशीष सिंह, सुश्री दीपिका कौर, त्रिभुवन नाथ, राजीव कुमार, अभिनव सिंह, डॉक्टर प्रमोद प्रजापति जी, डॉक्टर महिपाल चौबे, डॉक्टर अर्चना मैम जी, डॉक्टर उल्कर्ष आदि उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में भाग लेने हेतु पंजीकरण निःशुल्क था तथा समस्त प्रतिभागियों को कार्यशाला के सफल समापन के उपरांत निःस्य एवं सेवा से प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। यह कार्यशाला युवाओं को वित्तीय साक्षरता से परिचित कराने एवं उन्हें अपने वित्तीय भविष्य की योजना बनाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

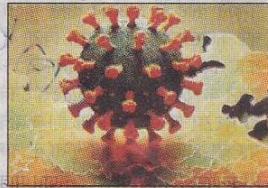
# एचएमपीवी को लेकर आईएमएस बीएचयू में बिस्तर सुरक्षित 3

वाराणसी। लखनऊ में एचएमपीवी का केस मिलने के बाद अब स्थानीय स्तर पर सतकता बढ़ा दी गई। आईएमएस बीएचयू में बेड रिजर्व कर दिए गए हैं। विशेषज्ञों की टीम भी बना दी गई है। दूसरी तरफ, स्वास्थ्य विभाग पैथोलॉजी जांच, इलाज, ऑक्सीजन की सुविधाओं की निगरानी करने में जट गया है। आईएमएस के निदेशक प्रौ. एसएन संखवार के निर्देश के बाद कई अहम कैसले लिए गए। इसमें बेड सुरक्षित रखने, जरूरत पड़ने पर मरीजों की जांच कराने, इलाज की व्यवस्था करने के साथ ही निगरानी के लिए डॉक्टरों को सभी तरह की जिम्मेदारियां भी दे दी गई हैं। निदेशक ने बताया कि बीएचयू में 20 बेड का अलग वार्ड बनाया गया है। जरूरत पड़ने पर बैड की संख्या और बढ़ाई जाएगी। अगर कोई मरीज संक्रमित होता है तो उसे भर्ती करने, जांच, इलाज, दवा आदि की व्यवस्थाएं रखेंगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। निदेशक प्रौ. एसएन संखवार ने बताया कि बाल रोग विभाग, मेडिसिन विभाग, नेफ्रोलॉजी, टीवी पंड चेस्ट डिपार्टमेंट, हृदय रोग विभाग सहित अन्य विभागों

## अलर्ट

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भी पूरी तरह तैयार, अलर्ट मोड पर रहेंगे विभाग

पैथोलॉजी, इलाज व ऑक्सीजन सुविधाओं की निगरानी कर रहा स्वास्थ्य विभाग



को अलर्ट किया गया है। वायरस की जांच, इलाज, भर्ती सहित अन्य व्यवस्थाओं के समन्वय के लिए चिकित्सा अधीक्षक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। डिप्टी एमएस प्रौ. अंकुर सिंह, मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एलपी मीना भी निगरानी रखेंगे। किसी तरह के सैंपल कलेक्शन, लैब में जांच के लिए प्रौ. गोपालनाथ और प्रौ. रोचना सिंह को जिम्मेदारी दी गई है।

## राजनीतिक आंदोलन को बढ़ावा देगा एआई : प्रो. कॉर्बेट

३२

वाराणसी। बीएचयू के मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र में आए न्यूयॉर्क सिटी कॉलेज औफ टेक्नोलॉजी के डॉ. पैट्रिक कॉर्बेट ने

कहा कि राजनीतिक आंदोलन को बढ़ावा देने में



केंद्र में अपनी बात रखते डॉ. पैट्रिक कॉर्बेट। बीएचयू

आंदोलन को बढ़ावा देने में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का बहुबी इस्तेमाल किया जा सकता है। हम एक बार में अधिक से अधिक डाटा कलेक्ट कर उसे आसानी से व्यवरिष्ठित और उसका एनालिसिस कर सकते हैं। वह 'एआई-टिट्रेचर: रिप्लेकशंस औफ ह्यूमैनिटीज ग्रैपलिंग विद इट्स मोरल साउल' थीम पर चर्चा कर रहे थे। कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस हमारी फिजिकल लाइफ का हिस्सा है। समन्वयक प्रो. संजय कुमार ने कहा कि डॉ.

पैट्रिक कॉर्बेट ने कला, फिल्म, कृषि, अकादमी, साहित्य में खूब काम किया है। व्यूरो

## प्रयागराज में होगा श्रवण कुंभ बीएचयू के डाक्टर होंगे शामिल

जागरण संवाददाता, वाराणसी : प्रयागराज में श्रवण कुंभ का आयोजन होगा। कुंभ मेला सेक्टर सात में देश भर से नाक, कान व गला के चिकित्सकों औरे

- 12 जनवरी से 26 फरवरी तक एलम्बो 20 हजार हियरिंग उपकरण का करण निश्शुल्क वितरण होगा। नेत्र कुंभ में पांच लाख आंखों की स्क्रीनिंग, तीन लाख चश्मों का निश्शुल्क वितरण होगा।
- आडियोलाजिस्ट की जुटान होगी। बीएचयू में नाक, कान व गला विभाग के प्रो. विश्वंभर सिंह को कार्यक्रम का संयोजक नियुक्त किया गया है। डा. अपित को जोनल समन्वयक बनाया गया है। 12 जनवरी से 26 फरवरी तक

होने वाले आयोजन में एलम्बो (भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम) की तरफ से 20 हजार हियरिंग उपकरण का निश्शुल्क वितरण किया जाएगा। बहरे और कम सुनने वाले मरीजों का उपचार और जरूरत पड़ने पर सर्जरी भी की जाएगी। कार्यक्रम की जिम्मेदारी नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन वाराणसी को मिली है।

संगठन की ओर से नेत्र कुंभ भी आयोजित होगा। यहां पर देश भर के नेत्र रोग विशेषज्ञ और आर्टोमेट्रिस्ट पांच लाख से अधिक आंखों की स्क्रीनिंग करेंगे। इसमें करीब तीन लाख चश्मों का निश्शुल्क वितरण किया जाएगा। रेफर मरीजों की 200 अस्पतालों में सर्जरी की सुविधा मिलेगी। 15 बेड का अस्पताल भी चलेगा। कार्यक्रम में बीएचयू के अलावा एस की गोरखपुर, पटना और भोपाल की टीमें भी सहयोग करेंगी।

## स्त्री शिक्षा से सशक्त भारत का सपना होगा साकार ।

स्त्री शिक्षा केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि समाज के विकास की अनिवार्यता है। जब एक महिला शिक्षित होती है, तो वह अपने परिवार, समुदाय और राष्ट्र के भविष्य को संवारने का आधार बनती है। शिक्षा महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाती है, जिससे वे अपनी आवाज उठाने और सही निर्णय लेने में सक्षम हो पाती हैं। आज भी ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में तमाम लड़कियां शिक्षा से विचित हैं। गरीबी, सामाजिक रुद्धिवादिता और सुविधाओं की कमी जैसी चुनौतियां इस स्थिति को और गंभीर बनाती हैं। इन बाधाओं को दूर करने के लिए न केवल सरकारी योजनाएं बल्कि समाज का सहयोग भी जरूरी है। सरकार की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी पहल समाज में प्रभावी साबित हो रही हैं। डिजिटल युग में तकनीकी संसाधनों के माध्यम से हर लड़की तक शिक्षा पहुंचाना संभव हो पा रहा है।

-डा. सिद्धिदात्री भारद्वाज, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग-कला संकाय, वीएचयू



भविष्य को  
संवारने का  
आधार बनती  
है। शिक्षा  
महिलाओं को

आत्मनिर्भर और

आत्मविश्वासी बनाती है, जिससे वे अपनी आवाज उठाने और सही,

निर्णय लेने में सक्षम हो पाती हैं।

आज भी ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में तमाम लड़कियां शिक्षा से विचित हैं। गरीबी, सामाजिक रुद्धिवादिता

और सुविधाओं की कमी जैसी चुनौतियां इस स्थिति को और गंभीर बनाती हैं। इन बाधाओं को दूर

करने के लिए न केवल सरकारी योजनाएं बल्कि समाज का सहयोग भी जरूरी है। सरकार की 'बेटी

बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी पहल समाज में प्रभावी साबित हो रही हैं।

डिजिटल युग में तकनीकी संसाधनों के माध्यम से हर लड़की तक शिक्षा पहुंचाना संभव हो पा रहा है।

-डा. सिद्धिदात्री भारद्वाज, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग-कला संकाय, वीएचयू

## छात्रावास में मनेगी डॉ. भगवानदास की जयंती

वाराणसी। बीएचयू के डॉ. भगवानदास छात्रावास में भारत रत्न डॉ. भगवानदास की 156वीं जयंती पर रविवार को छात्रावास दिवस मनेगा। मुख्य अतिथि डॉ. भगवानदास के प्रपीत्र प्रो. पुष्कर रंजन होंगे। विशिष्ट अतिथि सोरेलाल रजक, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, समस्तीपुर राजन कुमार एचजेएस, सुशील प्रसाद सिविल जज (वरिष्ठ डिविजन) और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रो. जागेश्वर नाथ सिंह होंगे। संवाद

56

## झग्नू में एससीएसटी अभ्यार्थियों का प्रवेश निशुल्क

वाराणसी। बीएचयू और हरिशचंद्र पीजी कॉलेज के ईदरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (झग्नू) अध्ययन केंद्र में प्रवेश के लिए 20 दिन बचे हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी है। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए प्रवेश निशुल्क है। केंद्र के समन्वयक प्रो. अनिल कुमार ने बताया कि स्नातक स्तर पर बीए और बीकॉम, स्नातकोत्तर स्तर पर एमए, एमकॉम और एमएससी, रसायन विज्ञान और विभिन्न विषयों में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में दाखिले चल रहे हैं। संवाद

52

## कक्षा-9, 11 के छात्रों ने जाना बीएचयू का इतिहास

वाराणसी। रामनगर स्थित पीएमश्री प्रभु नारायण राजकीय इंटर कॉलेज के कक्षा नी और 11 के विद्यार्थियों को शुक्रवार को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। उन्हें बीएचयू के मालवीय अनुशीलन केंद्र, संविति, भारतीय हथकरघा तकनीकी संस्थान ले जाया गया। यहां उन्हें संस्थानों के इतिहास की जानकारी भी गई।

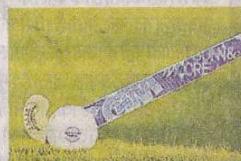
4

## राज्यस्तरीय हाकी के सेमीफाइनल में विवेक एकेडमी ने बनाई जगह <sup>IV</sup>

संवाद सूत्र, जगरण रोहनिया : विवेक एकेडमी ने पंडित कृष्णदेव उपाध्याय राज्य स्तरीय हाकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली। शुक्रवार को खेले गंगापुर इंटर कालेज मैदान पर खेले गए व्हार्टर फाइनल में उसने मालवीय बीएचयू को 2-1 से हराया। विजेता टीम की ओर से जय प्रकाश पटेल व आर्यन पाल ने गोल किया।

मैच की शुरुआत से विवेक एकेडमी के खिलाड़ियों ने तालमेल के साथ खेलते हुए गोल करने का मौका तलाशने लगे। जल्द ही उन्हें मौका भी मिल गया। खेल के आठवें मिनट में टीम के जय प्रकाश पटेल ने गोल करके अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। एक गोल से पिछड़ने के बाद मालवीय बीएचयू के खिलाड़ियों ने मैच में बराबरी के लिए जो लगाया। विवेक एकेडमी की मजबूत रक्षापक्षित ने उनके हमलों को नाकम किया। खेल के 37 वें मिनट में बीएचयू के किशन यादव को मौका मिला और उन्होंने गोल करके टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैच पर पकड़ने के लिए अपनी रफ्तार बढ़ा दी।

खेल के 54 वें मिनट में विवेक एकेडमी के आर्यन पाल ने शानदार गोल करके अपनी टीम को 2-1 से आगे कर दिया। मैच की समाप्ति तक यह बढ़त बनी रही। अन्य व्हार्टर फाइनल मैच झांसी हास्टल और डीएचए बहराइच के बीच खेला गया। दोनों टीमों की ओर से देव तक कोई गोल नहीं हो सका। मैच के 25वें मिनट में झांसी हास्टल के अंकित को गोल करने का मौका मिला। उन्होंने फील्ड



• व्हार्टर फाइनल मैच में मालवीय बीएचयू को 2-1 से हराया

• गंगापुर एकेडमी, झांसी, बीएलडब्ल्यू भी अंतिम चार में

गोल करके टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके पांच मिनट के बाद ही बहराइच के रुद्रांशु ने गोल किया और स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। मैच को अपने पक्ष में करने के लिए दोनों टीमों ने पूरा जोर लगाया। मैच के आखिरी क्षण में झांसी के विवेक यादव ने गोल करके टीम को 2-1 से जीत दिला दी।

बीएलडब्ल्यू वाराणसी और कैट स्टार वाराणसी के बीच खेला गया। मैच एक तरफा रहा। बीएलडब्ल्यू के अनुभवी खिलाड़ी एस सिंह, गंगा, लक्ष्मी, सुरेंद्र कुमार गौड़, सुनील सिंह ने गोल करके टीम को 5-0 से जीत दिलाते हुए टीम को सेमीफाइनल में जगह दिला दी। डीएचए बलिया व गंगापुर हाकी एकेडमी रेड के बीच भी मैच एक तरफा रहा।

इसमें गंगापुर हाकी एकेडमी के अर्पित मिश्रा, मुकेश कुमार, अमन, कुनाल राजभर, विनय कुमार, आकाश राजभर, नीरज ने गोल कर टीम को 7-0 से जीत दिलाकर अंतिम चार में जगह दिलाई। मैच से पहले एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

# विवेक एकेडमी, गंगापुर और बरेका अंतिम चार में

गंगापुर। गंगापुर इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित पं. कृष्णदेव उपाध्याय राज्यस्तरीय इगारी हॉकी प्रतियोगिता में शुक्रवार को हुए मैच के बाद अंतिम चार में गंगापुर हॉकी अकादमी, विवेक एकेडमी, झाँसी हॉस्टल, बरेका की टीमें पहुँचीं।

पहले मैच में विवेक अकादमी ने बीएचयू को 2-1 से हराया। विवेक अकादमी के जयप्रकाश पटेल, आर्यन पाल और बीएचयू के किशन ने गोल किया। दूसरे मैच में झाँसी हॉस्टल ने बहराइच को 2-1 से हराया। तीसरे मैच में डीएलडब्ल्यू ने कैट स्टार को 5-0 से

- गंगापुर इंटर कॉलेज के मैदान पर चल रहा है हॉकी का मुकाबला
- झाँसी हॉस्टल की टीम ने भी सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की

हराया। बरेका के एस. सिंह, गंगा, लक्ष्मी, सुरेंद्र कुमार गौड़, सुनील सिंह ने एक-एक गोल किए। चौथे मैच में गंगापुर हॉकी अकादमी ने डीएचयू बलिया को 7-0 से हराया। एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने परिचय प्राप्त किया।

## शिवाय एसीए क्रिकेट क्लब फाइनल में पहुंचा

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के एम्परीथिएटर मैदान में पं. अनिरुद्ध मिश्रा क्रिकेट चैपियनशिप में शुक्रवार को सेमीफाइनल में शिवाय एसीए क्रिकेट क्लब की टीम ने 10 विकेट ने जीत दर्ज की। मैच में ऋषभ मिश्रा और हिमांशु सिंह का दमदार प्रदर्शन रहा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आनंद क्रिकेट क्लब की टीम ने 32 ओवर में सभी विकेट खोकर 164 रन बनाये। शिवाय एसीए के ऋषभ मिश्रा ने 42 रन देकर 4 विकेट चटकाये। मो. सैफ ने 27 रन देकर 3 विकेट लिये। लक्ष्य



हिमांशु सिंह एवं ऋषभ मिश्रा। (बाएं से)

का पीछा करने उतरी शिवाय एसीए के ओपनर बल्लेबाजों हिमांशु सिंह और ऋषभ मिश्रा ने धमाकेदार बल्लेबाजी की। हिमांशु ने 67 बाल में 98 रन की पारी खेली। ऋषभ ने 48 गेंद पर 58 रन बनाए और मैन आफ द मैच बने।

## शिवाय एसीए क्रिकेट क्लब फाइनल में पहुंचा

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के एम्परीथिएटर मैदान में पं. अनिरुद्ध मिश्रा क्रिकेट चैपियनशिप में शुक्रवार को सेमीफाइनल में शिवाय एसीए क्रिकेट क्लब की टीम ने 10 विकेट ने जीत दर्ज की। मैच में ऋषभ मिश्रा और हिमांशु सिंह का दमदार प्रदर्शन रहा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आनंद क्रिकेट क्लब की टीम ने 32 ओवर में सभी विकेट खोकर 164 रन बनाये। शिवाय एसीए के ऋषभ मिश्रा ने 42 रन देकर 4 विकेट चटकाये। मो. सैफ ने 27 रन देकर 3 विकेट लिये। लक्ष्य



हिमांशु सिंह एवं ऋषभ मिश्रा। (बाएं से)

का पीछा करने उतरी शिवाय एसीए के ओपनर बल्लेबाजों हिमांशु सिंह और ऋषभ मिश्रा ने धमाकेदार बल्लेबाजी की। हिमांशु ने 67 बाल में 98 रन की पारी खेली। ऋषभ ने 48 गेंद पर 58 रन बनाए और मैन आफ द मैच बने।

## पीएचडी नियमावली के विरोध में छात्रों ने फूंका पुतला

जागरण संवाददाता, वाराणसी : काशी हिंदू विश्वविद्यालय में तीन दिन पहले जारी पीएचडी नोटिफिकेशन को लेकर छात्रों में गहरी नाराजगी है।

नान नेट छात्रों को पीएचडी का मौका नहीं देने और योग्य छात्रों का वर्गीकरण स्पष्ट नहीं करने से नाराज छात्रों ने शुक्रवार को फिर केंद्रीय कार्यालय पर पुतला फूंक दिया। छात्रों और प्राविंटीरियल बोर्ड के बीच में जमकर धक्कामुक्की हुई। अपर परीक्षा नियंता की तस्वीर लगाकर पुतला जलाया। उनका आरोप है कि पिछले डेढ़ वर्षों से अधिक समय से अकेले अपनी परीक्षा नियंता छात्रों को दिग्भ्रामित कर रहे हैं।

### छात्रों की मांग

- पीएचडी साक्षात्कार के लिए आल कालिंग की व्यवस्था हो। 2024 में नेट पास सभी अभ्यर्थियों को इंटरव्यू प्रक्रिया में शामिल करें।
- सभी कैटेगरी के लिए सीटों को बराबर बांटे। पूर्व कुलपति प्रो. एस के जैन के कार्यकाल में निलंबित एवं निष्कासित छात्रों के मामलों की जांच हो।
- डिसिप्लिनरी एक्शन कमेटी के तर्ज पर रिव्यू कमेटी का गठन किया जाए ताकि छात्रों पर द्वेषपूर्ण कार्यवाही नहीं हो।

## बीएचयू में पीएचडी नियमावली के विरोध में जलाई तस्वीर 53

वाराणसी। बीएचयू में पीएचडी प्रवेश नियमावली के विरोध में 10 से ज्यादा छात्रों का धरना प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। सेंट्रल ऑफिस के बाहर अपर परीक्षा नियंता की तस्वीर जलाकर विरोध जताया। प्राविंटीरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों के साथ छात्रों की धक्कामुक्की हुई। सुरक्षाकर्मियों ने दौड़ा कर जलाई तस्वीर छीनकर फेंकी। छात्रों ने बताया कि तस्वीर को प्रतीकात्मक पुतले के तौर पर फूंका गया है। आरोप लगाया कि डेढ़ साल से परीक्षा नियंता कार्यालय ने उनकी मांगें नहीं मानी। मांग रखी कि पीएचडी इंटरव्यू में सभी अभ्यर्थियों को बुलाया जाए। सभी कैटेगरी के लिए सीटों को बराबर बांटा जाए। पूर्व कुलपति प्रो. सुधीर जैन के कार्यकाल में निलंबित और निष्कासित छात्रों के मामलों की जांच हो। ब्लूरो

## बीएचयू में पीएचडी नियमावली के विरोध में जलाई तस्वीर ३



छात्रों ने अपर परीक्षा नियन्ता प्रो. ज्ञानप्रकाश सिंह का तस्वीर दहन किया।

वाराणसी। बीएचयू में पीएचडी प्रवेश नियमावली के विरोध में १० से ज्यादा छात्रों का धरना प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा।

सेंट्रल ऑफिस के बाहर अपर परीक्षा नियंता की तस्वीर जलाकर विरोध जताया। प्रॉफेटोरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों के साथ छात्रों की धरकामुक्की हुई। सुरक्षाकर्मियों ने दौड़ा कर जलाई तस्वीर छीनकर फेंकी। छात्रों ने बताया कि तस्वीर को प्रतीकात्मक पुतले के तौर पर फूंका

गया है। आरोप लगाया कि डेढ़ साल से परीक्षा नियंता कार्यालय ने उनकी मार्गे नहीं मानी। मांग रखी कि पीएचडी इंटरव्यू में सभी अध्यार्थियों को बुलाया जाए। सभी कैटेगिरी के लिए सीटों को बराबर बाटा जाए।

पूर्व कुलपति प्रो. सुधीर जैन के कार्यकाल में निलंबित और निष्कापित छात्रों के मामलों की जांच हो। डिसीप्लिनरी एक्शन कमेटी की तर्ज पर एक रिव्यू कमेटी का गठन हो।

# अपर परीक्षा नियंता का पुतला जलाया <sup>4</sup>

बाराणसी, वरिष्ठ सवाददाता। पीएचडी प्रवेश नियमावली के खिलाफ बीएचयू में छात्रों का विरोध जारी है। शुक्रवार को एक तरफ छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा तो दूसरी तरफ छात्रों के एक समूह के अपर परीक्षा नियंता का पुतला फूंका। आरोप लगाया कि अपर परीक्षा नियंता ने पिछले डेढ़ साल से छात्रों को पीएचडी नियमावली के संबंध में दिग्भ्रमित कर रखा है।

गुरुवार को छात्रों ने केंद्रीय कार्यालय के समने धरना शुरू किया था। उनकी मांग है कि पीएचडी नियमावली संशोधित कर फिर से जारी की जाए। शुक्रवार की दोपहर छात्रों का दूसरा गुट केंद्रीय कार्यालय पहुंचा और अपर परीक्षा नियंता के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो धक्कामुक्की भी हुई। सुरक्षाकर्मियों ने पुतला छीनने का प्रयास किया। हालांकि छात्र पुतला फूंकने में सफल रहे। प्रदर्शनकारी छात्र दिव्यांश दुबे ने आरोप लगाया कि बीएचयू प्रशासन छात्रों का मानसिक उत्पीड़न कर रहा है। साल में दो बार होने वाले पीएचडी प्रवेश अब तीन साल में एक बार लिए जा रहे हैं जिसका सीधा नुकसान छात्रों को हो रहा है।

छात्रों ने मांग की कि पीएचडी



बीएचयू में पीएचडी प्रवेश नियमावली के विरोध में छात्रों ने फूंका अपर परीक्षा नियंता का पुतला।

साक्षात्कार के लिए ऑल कार्लिंग की व्यवस्था की जाए। 2024 में नेट पास सभी अभ्यार्थियों को इंटरव्यू प्रक्रिया में शामिल किया जाए।

सभी वर्ष के लिए सीटों को बराबर बांटा जाए। छात्रों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई पर एक रिव्यु कमेटी का शी गठन हो। प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल में निष्कासित और निलंबित छात्रों के मामलों की जांच कर उनका निलंबन वापस लिया जाए। छात्रों ने कहा कि उनकी मांगें पूरी होने तक आदोलन जारी रहेगा।

# अपर परीक्षा नियंता का पुतला जलाया<sup>4</sup>

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। पीएचडी प्रवेश नियमावली के खिलाफ बीएचयू में छात्रों का विरोध जारी है।

शुक्रवार को एक तरफ छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा तो दूसरी तरफ छात्रों के समूह के अपर परीक्षा नियंता का पुतला फूंका। आरोप लगाया कि अपर परीक्षा नियंता ने पिछले डेढ़ साल से छात्रों को पीएचडी नियमावली के संबंध में दिग्भ्रमित कर रखा है।

शुक्रवार को छात्रों ने केंद्रीय कार्यालय के समने धरना शुरू किया था। उनकी मांग है कि पीएचडी नियमावली संशोधित कर फिर से जारी की जाए। शुक्रवार की दोपहर छात्रों का दूसरा गुट केंद्रीय कार्यालय पहुंचा और अपर परीक्षा नियंता के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो धक्कामुक्की भी हुई। सुरक्षाकर्मियों ने पुतला छीनने का प्रयास किया। हालांकि छात्र पुतला फूंकने में सफल रहे। प्रदर्शनकारी छात्र दिव्यांश दुबे ने आरोप लगाया कि बीएचयू प्रशासन छात्रों का मानसिक उत्पीड़न कर रहा है। साल में दो बार होने वाले पीएचडी प्रवेश अब तीन साल में एक बार लिए जा रहे हैं जिसका सीधा नुकसान छात्रों को हो रहा है।

छात्रों ने मांग की कि पीएचडी



बीएचयू में पीएचडी प्रवेश नियमावली के विरोध में छात्रों ने फूंका अपर परीक्षा नियंता का पुतला।

साक्षात्कार के लिए ऑल कालिंग की व्यवस्था की जाए। 2024 में नेट पास सभी अभ्यर्थियों को इंटरव्यू प्राक्रिया में शामिल किया जाए।

सभी वर्ग के लिए सीटों को बराबर बांटा जाए। छात्रों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई पर एक रिव्यु कमेटी का भी गठन हो। प्रो. सुधीर कुमार जैन के कार्यकाल में निकासित और निलंबित छात्रों के मामलों की जांच कर उनका निलंबन वापस लिया जाए। छात्रों ने कहा कि उनकी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

